

बिहार विद्यालय परीक्षा समिति, पटना

बिहार प्रारम्भिक शिक्षक (प्रशिक्षित) पात्रता परीक्षा-2017

- ऑन लाईन आवेदन प्रारम्भ की तिथि : 06.04.2017
- ऑन लाईन आवेदन समाप्ति की तिथि : 25.04.2017
- शुल्कादि प्राप्ति की अंतिम तिथि : 26.04.2017
- ऑन लाईन आवेदन पत्र संशोधन की तिथि : 28.04.2017



सूचना बुलेटिन

परीक्षा की तिथि : 11.02.2017

आयोजक : बिहार विद्यालय परीक्षा समिति, पटना- 800 017

बिहार प्रारम्भिक शिक्षक (प्रशिक्षित) पात्रता परीक्षा-2017

पृष्ठभूमि

अनिवार्य एवं मुफ्त बाल अधिकार अधिनियम 2009 के कार्यान्वयन के तहत पूरे देश विशेष कर बिहार में एक नियुक्ति समयावधि के अन्तर्गत बड़ी संख्या में शिक्षकों की आवश्यकता होगी। इस क्रम में यह आवश्यक है कि नियुक्ति प्रक्रिया में शिक्षकों की गुणवत्ता किसी भी स्थिति में प्रभावित न हो। इसके लिए यह सुनिश्चित करना अत्यन्त आवश्यक है कि जो व्यक्ति शिक्षक के रूप में नियुक्त हों उनमें शैक्षिक अभिवृति और योग्यता मौजूद हो जिससे वे प्रारम्भिक शिक्षा की चुनौतियों का सामना करने में सक्षम हों।

अनिवार्य एवं मुफ्त बाल शिक्षा अधिकार अधिनियम 2009 की धारा 23 की उपधारा (2) के तहत राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् द्वारा घोषित नियमावली के अनुसार विद्यालयों में कक्षा I-VIII तक अध्यापक के रूप में नियुक्ति हेतु शिक्षक पात्रता परीक्षा में उत्तीर्ण होना अनिवार्य कर दिया गया है। इसी संदर्भ में बिहार के प्रारम्भिक विद्यालयों में कक्षा I-V तक एवं कक्षा VI-VIII तक के लिए "बिहार प्रारम्भिक शिक्षक (प्रशिक्षित) पात्रता परीक्षा-2017" का आयोजन बिहार विद्यालय परीक्षा समिति, पटना के तत्वाधान में किया जा रहा है। योग्य शिक्षकों के चयन प्रक्रिया में यह एक प्रभावी कदम होगा। "बिहार प्रारम्भिक शिक्षक (प्रशिक्षित) पात्रता परीक्षा-2016" में अहता प्राप्त करना किसी भी व्यक्ति की भर्ती/रोजगार के लिए अधिकार नहीं देता क्योंकि यह नियुक्ति के लिए केवल एक पात्रता मापदंड है।"

—: परीक्षा का कार्यक्रम :—

पत्र	समय	अवधि
I	10.00 बजे पूर्वाहन से 12.30 अपराहन तक	2 घंटा 30 मिनट
II	02.00 अपराहन से 04.30 अपराहन तक	2 घंटा 30 मिनट

I. पात्रता परीक्षा के प्रश्न पत्र वस्तुनिष्ट बहुविकल्प (MCQ's) की होंगे।

II. प्रत्येक प्रश्न एक अंक का होगा।

III. निगेटिव मार्किंग नहीं होगी।

A. आवेदन कैसे करें:

1. आवेदक बिहार प्रारम्भिक शिक्षक (प्रशिक्षित) पात्रता परीक्षा-2017 को ऑनलाइन फॉर्म भरने का लिंक वेबसाइट www.bsebonline.net पर उपलब्ध है। आवेदन प्रस्तुत करने का कोई अन्य साधन/मोड (Mode) किसी भी परिस्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।
2. बिहार प्रारम्भिक शिक्षक (प्रशिक्षित) पात्रता परीक्षा-2017 में समिलित होने के लिए उम्मीदवार विहित/निर्धारित ऑनलाइन फार्म में दिनांक 06.04.2017 से 25.04.2017 तक आवेदन करेंगे।
3. आवेदन फार्म अंग्रेजी में ही भरा जाएगा। आवेदक द्वारा की गई कोई भी गलती की जिम्मेदारी केवल आवेदक की होगी। आवेदन जमा होने के बाद यदि कोई त्रुटि हो तो संशोधन की अनुमति नहीं दी जायेगी।
4. बिहार प्रारम्भिक (प्रशिक्षित) शिक्षक पात्रता परीक्षा- 2017 के आवेदन में उम्मीदवार के फोटो और हस्ताक्षर अपलोड फोटोग्राफ एवं हस्ताक्षर (केवल JPG फाइल) का स्कैन अपलोड किया जाना है।
5. उम्मीदवार आवेदन करने से पूर्व अपना फोटोग्राफ/हस्ताक्षर (JPG फाइल) स्कैन कर तैयार रख लेंगे।
6. उम्मीदवार आवेदन करने से पूर्व सूचना बुलेटिन में निर्धारित मापदण्ड के अनुरूप अपनी योग्यता से पूर्णतः संतुष्ट हो लें। यदि उम्मीदवार निर्धारित योग्यता मापदण्ड के अनुसार योग्य नहीं पाये जाते हैं तो इसकी जारी जबावदेही स्वयं
7. उम्मीदवार द्वारा ऑन लाइन फॉर्म भरते समय अपना पूर्ण विवरण दिया जाए और अपने फोटो एवं हस्ताक्षर स्कैन कर अपलोड करेंगे। विवरण को पूर्ण रूप से अपलोड होने के उपरान्त उम्मीदवार को वेबसाइट से एक पंजीकरण संख्या (Registration No.) सहित पुष्टिकरण (Confirmation Page) प्राप्त होगा जिसे वे भविष्य के लिए सुरक्षित रखेंगे।
8. परीक्षा शुल्क : वेबसाइट द्वारा प्राप्त किए गए वैकं ई-चालान फॉर्म के माध्यम से समिति के खाता संख्या SBI A/C No. 31565567012 में निर्धारित शुल्क अपने निकटतम किसी भी भारतीय स्टेट बैंक के कोर बैंकिंग शाखा में अस्वीकृत

जमा कर दैंक ई-चालान की प्राप्ति स्वीकृत प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त ऑन लाइन भुगतान डेबिट/क्रेडिट कार्ड एवं नेट बैंकिंग से भुगतान की सुविधा प्रदान की गई है। शुल्क संरचना निम्नवत् है:-

कोटि (वर्ग)	पेपर I या पेपर II	पेपर I या पेपर II दोनों
सामान्य/पिछड़ा वर्ग/अति पिछड़ा	400.00	600.00
अनुसुचित जाति/अनुसुचित जनजाति/निःशक्ति	200.00	300.00

9. समिति के वेबसाइट www.bsebonline.net में “Apply for Trend Teachers Eligibility Test -2017” के लिंक (Link) को क्लिक करने पर एक पेज कम्प्यूटर स्क्रीन पर दिखाई देगा, जिस पर तीन विकल्प होगा, जो इस प्रकार है :-

- (i) पहला विकल्प “Read Instruction” का होगा जिसे क्लिक करने पर सूचना बुलेटिन खुल जायेगी। सूचना बुलेटिन में दिये गये निर्देशों को पढ़कर अच्छी तरह समझ लें।
- (ii) दूसरा विकल्प “Fill Application Form” का होगा। आवेदन फॉर्म भरने के क्रम में निम्नांकित चरणों में ऑन लाइन आवेदन किए जाने हैं :-
 - (a) “Fill Application Form” को क्लिक करने पर ऑन लाइन आवेदन फॉर्म (Application Form) खुल जायेगा। आवेदन पत्र खुलने पर उम्मीदवार दिये गये निर्देशों का अक्षरश: पालन करेंगे एवं अपना समस्त विवरण सही-सही रूप से भरेंगे। तत्पश्चात्
 - (b) फोटोग्राफ एवं हस्ताक्षर जो पूर्व से JPG स्कैन किये हैं उसे अपलोड करेंगे। जिसका साईज एवं आकार इस प्रकार होना चाहिए :-
 - ❖ फोटोग्राफ का साईज 4 KB से अधिक एवं 100 KB से कम साथ ही फोटोग्राफ का माप 4.5 सेमी० लम्बाई एवं 3.5 सेमी० चौड़ाई में होना चाहिए।
 - ❖ हस्ताक्षर का साईज 1 KB से अधिक एवं 25 KB से कम साथ ही हस्ताक्षर का माप 1.5 सेमी० लम्बाई एवं 4.5 सेमी० चौड़ाई में होना चाहिए।
 - (c) शुल्क भुगतान एवं डेबिट/क्रेडिट कार्ड द्वारा किया जायेगा।

नोट: अन्यथा आवेदन करने से पहले अपनी योग्यता से पूर्णतः संतुष्ट हो लें यदि वह दिए गए योग्यता मापदण्ड के अनुसार आवेदन के लिए योग्य नहीं है तो इसका जिम्मेदार स्वयं होगा। अन्यथा का विवरण शुल्क के भुगतान न होने तक ही “Edit” कर सकते हैं। एकबार शुल्क की राशि का भुगतान होने पर अन्यथा के विवरण में कोई बदलाव नहीं किया जा सकता है। ऑफ लाइन (फैक्स/इमेल/आवेदन पत्र) के माध्यम से किसी भी प्रकार की त्रुटि का सुधार नहीं किया जाएगा। इस संबंध में कोई पत्राचार पर विचार भी नहीं किया जाएगा।

- (iii) ऑन लाइन आवेदन पूर्ण रूप से Submit करने के उपरान्त अगला पेज पुष्टिकरण (Confirmation Page) पेज का होगा। जिसमें उम्मीदवार का पंजीकरण संख्या (Registration No.) के साथ सभी भरी गई जानकारी अंकित होगी। जिसे उम्मीदवार नीचे दिए गए “Print” बटन को क्लिक कर प्रिंट प्रति प्राप्त करेंगे एवं इसे भविष्य के लिए अपने पास सुरक्षित रखेंगे।

- 10. ऑन लाइन भरे गये आवेदन एवं शुल्क की राशि के मिलान के उपरान्त ही प्रवेश पत्र निर्गत होंगे।
- 11. दिये गये निर्देशों का अक्षरश: पालन नहीं किये जाने एवं भरे गए अधुरा/त्रुटिपूर्ण आवेदन रहने पर आवेदन पत्र को रद्द कर दिया जायेगा। इस संदर्भ में कोई पत्राचार नहीं किया जाएगा तथा शुल्क की राशि वापस नहीं की जायेगी।
- 12. आवेदकों का निजी मोबाइल नम्बर होना चाहिए। इस परीक्षा प्रक्रिया के दौरान इस मोबाइल नम्बर को सक्रिय रखा जाना चाहिए। पंजीकरण संख्या (Registration Number) रील नम्बर, कौशल परीक्षण या किसी अन्य महत्वपूर्ण निर्देश को निजी मोबाइल नम्बर पर ही सूचना भेजी जाएगी। आवेदकों से अनुरोध है कि निजी मोबाइल नम्बर पर बोर्ड द्वारा भेजे गये निर्देशों का पालन करते रहे। लिखित परीक्षा के लिए प्रवेश पत्र डाक से नहीं भेजे जायेंगे, इन्हें बोर्ड की वेबसाइट www.bsebonline.net से डाउनलोड कर प्राप्त करेंगे।
- 13. आवेदकों को ऑनलाइन आवेदन करने के लिए एक कॉल सेन्टर की व्यवस्था भी की गई है। जिसका दूरभाष नम्बर है। यह सूचिया आवेदन भरने की अंतिम तिथि तक सक्रिय रहेगा।

B. आवेदक की न्यूनतम शैक्षणिक एवं प्रशैक्षणिक अहत्ता :-

(i) कक्षा I से V तक (पंचायत एवं प्रखण्ड शिक्षक के वेसिक ग्रेड) शिक्षक हेतु :

(क) न्यूनतम 50 प्रतिशत अंकों के साथ उच्चतर माध्यमिक (या इसके समकक्ष) एवं प्रारंभिक शिक्षा शास्त्र में द्विवर्षीय प्रशिक्षण (जिस नाम से भी जाना जाता हो) में उत्तीर्ण अथवा अन्तिम वर्ष का उम्मीदवार हो
या

न्यूनतम 45 प्रतिशत अंकों के साथ उच्चतर माध्यमिक (या इसके समकक्ष) एवं प्रारंभिक शिक्षा शास्त्र में द्विवर्षीय प्रशिक्षण (जिस नाम से भी जाना जाता हो), जो राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् (मान्यता, मानक और क्रियाविधि) विनियम, 2002 के अनुसार प्राप्त किया गया हो

या

न्यूनतम 50 प्रतिशत अंकों के साथ उच्चतर माध्यमिक (या इसके समकक्ष) एवं 4 वर्षीय प्रारंभिक शिक्षा शास्त्र (बी.एल.एड.) में उत्तीर्ण अथवा अन्तिम वर्ष का उम्मीदवार हो

या

न्यूनतम 50 प्रतिशत अंकों के साथ उच्चतर माध्यमिक (या इसके समकक्ष) एवं शिक्षा शास्त्र में द्विवर्षीय प्रशिक्षण (विशेष शिक्षा) में उत्तीर्ण अथवा अन्तिम वर्ष का उम्मीदवार हो

और

(ख) केन्द्र अथवा बिहार राज्य सरकार द्वारा आयोजित 'शिक्षक पात्रता परीक्षा' (टी.ई.टी.) में उत्तीर्ण।

(ii) कक्षा VI से VIII तक (प्रखण्ड शिक्षक के स्नातक ग्रेड) शिक्षक हेतु :

(क) बी.ए./बी.एस.सी. और प्रारंभिक शिक्षा शास्त्र में दो वर्षीय प्रशिक्षण (जिस नाम से भी जाना जाता हो) में उत्तीर्ण अथवा अन्तिम वर्ष का उम्मीदवार हो

या

न्यूनतम 50 प्रतिशत अंकों के साथ स्नातक शिक्षा एवं शिक्षा शास्त्र में एकवर्षीय स्नातक (बी.एड.) में उत्तीर्ण अथवा अन्तिम वर्ष का उम्मीदवार हो

या

न्यूनतम 45 प्रतिशत अंकों के साथ स्नातक शिक्षा एवं शिक्षा शास्त्र में एकवर्षीय स्नातक (बी.एड.) जो इस संबंध में समय-समय पर जारी राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् (मान्यता, मानक और क्रियाविधि) विनियम 2002 के अनुसार प्राप्त किया गया हो

या

न्यूनतम 50 प्रतिशत अंकों के साथ उच्चतर माध्यमिक (या इसके समकक्ष) एवं 4 वर्षीय प्रारंभिक शिक्षा शास्त्र में स्नातक (बी.ए.एड.) में उत्तीर्ण अथवा अन्तिम वर्ष का उम्मीदवार हो

या

न्यूनतम 50 प्रतिशत अंकों के साथ उच्चतर माध्यमिक (या इसके समकक्ष) एवं 4 वर्षीय बी.ए./बी.एस.सी. एड या बी.ए.एड./बी.एस.सी.एड. में उत्तीर्ण अथवा अन्तिम वर्ष का उम्मीदवार हो

या

न्यूनतम 50 प्रतिशत अंकों के साथ स्नातक शिक्षा प्राप्त एवं एक वर्षीय बी.एड. (विशेष शिक्षा)

और

(ख) केन्द्र अथवा बिहार राज्य सरकार द्वारा आयोजित 'शिक्षक पात्रता परीक्षा' (टी.ई.टी.) में उत्तीर्ण।

(ग) केवल केन्द्र या किसी राज्य सरकार द्वारा सरकार द्वारा अथवा राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् (NCTE) द्वारा मान्यता प्राप्त अध्यापक शिक्षा शास्त्र में डिप्लोमा/डिग्री पाठ्यक्रम मान्य होगा। शिक्षा शास्त्र में डिप्लोमा (विशेष शिक्षा) और बी.एड. (विशेष शिक्षा) के लिए केवल भारतीय पुर्नवास परिषद् (आरसीआई) द्वारा मान्यता प्राप्त पाठ्यक्रम मान्य होगा।

(घ) राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् (स्कूलों में शिक्षकों की भर्ती के लिए न्यूनतम योग्यता का निर्धारण) विनियम, 2001 (समय-समय पर यथा संशोधित) के अनुसार 3 सितम्बर, 2001 अथवा उसके बाद नियोजित बी.एड. की योग्यता रखने

वाले कक्षा। से V के शिक्षकों को प्रारम्भिक शिक्षा शास्त्र में राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् द्वारा मान्यता प्राप्त 6-माह का विशेष प्रशिक्षण प्राप्त करना आवश्यक होगा।

(d) समकक्ष तकनीकी शिक्षा की डिग्री (पौलिटेक्निक, यूनानी शिक्षा आदि) तथा प्राच्यभाषा विशेष से संबंधित डिग्री (मौलवी, उप शास्त्री) सामान्य शिक्षक पद पर नियोजन हेतु मान्य नहीं है। शिक्षा विभाग द्वारा निर्गत अधिसूचना अथवा आदेश के आलोक में किसी सोसाइटी अथवा ट्रस्ट के द्वारा स्थापित स्वैच्छिक संस्थानों द्वारा प्रदत्त भाषा विशेष की उपाधी/डिग्री भी शिक्षक पद पर नियोजन हेतु मान्य नहीं है। शिक्षक पद पर नियोजन हेतु किसी प्रमाण पत्र अथवा डिग्री की समकक्षता प्रदान करने की कार्रवाई शिक्षा विभाग के द्वारा किया जा सकेगा।

C. बिहार पंचायत प्रारम्भिक शिक्षक (नियोजन एवं सेवा शर्त) नियमावली 2012 एवं बिहार नगर प्रारम्भिक शिक्षक (नियोजन एवं सेवा शर्त) नियमावली 2012 के नियमावली 2014 के आलोक में संशोधित विन्दु प्रावधानित है :-

(i) प्राथमिक एवं मध्य विद्यालय के उर्दू पदों पर बिहार मदरसा बोर्ड द्वारा प्रदत्त मौलवी/आलिम अथवा किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड/विश्वविद्यालय से उर्दू में इन्टरमीडिएट/स्नातक की योग्यता रखने वाले (इन्टरमीडिएट में न्यूनतम 50 अंकों का उर्दू विषय) एवं नियम 5 में निर्धारित प्रशिक्षण योग्यताधारी अभ्यर्थियों का नियोजन किया जायेगा।

(ii) संस्कृत शिक्षकों के पदों पर कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा प्रदत्त उप शास्त्री/शास्त्री अथवा किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड/विश्वविद्यालय से संस्कृत में स्नातक की योग्यता एवं नियम 5 में निर्धारित प्रशिक्षण योग्यता के अभ्यर्थी का नियोजन किया जायेगा।

(iii) बांग्ला शिक्षकों के पदों पर बांग्ला भाषा में इन्टर स्तर की योग्यता अथवा किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड/विश्वविद्यालय से बांग्ला में स्नातक की योग्यता एवं नियम 5 में निर्धारित प्रशिक्षण योग्यता के अभ्यर्थियों का नियोजन किया जायेगा।

D. विशेष निर्देश :

- (a) अनुसुचित जाति/अनुसुचित जनजाति/विशेष रूप से विकलांग/महिला जैसी आरक्षित श्रेणी के उम्मीदवारों को पात्रता हेतु न्यूनतम शैक्षिक अर्हता में 5 प्रतिशत अंकों की छूट की अनुमति होगी।
- (b) शिक्षक शिक्षा में डिप्लोमा/डिग्री कोर्स : इस अधिसूचना के उद्देश्यों के लिए केवल राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् (एनसीटीई) द्वारा मान्यता प्राप्त शिक्षक शिक्षा में डिप्लोमा/डिग्री कोर्स पर विचार होगा। तथापि, शिक्षा में डिप्लोमा (विशेष शिक्षा) और बीएड (विशेष शिक्षा) की स्थिति में केवल भारतीय पुनर्वास परिषद् (रिहैबिलिटेशन काउंसिल ऑफ इंडिया) (आरसीई) द्वारा मान्यता प्राप्त कोर्स पर ही विचार होगा।
- (c) प्रशिक्षण प्राप्त करना : डी.एड (विशेष शिक्षा) की योग्यता वाले व्यक्ति को नियुक्ति के बाद प्रारंभिक शिक्षा में एनसीटीई मान्यता प्राप्त छः माह का विशेष कार्यक्रम में प्रशिक्षण प्राप्त करना होगा।
- (d) ऊपर निर्दिष्ट न्यूनतम योग्यताएँ भाषा, सामाजिक अध्ययन/सामाजिक विज्ञान, गणित, विज्ञान इत्यादि के शिक्षकों के लिए लागू हैं। शारीरिक शिक्षा के शिक्षकों के संबंध में एनसीटीई विनियम, दिनांक 3 नवम्बर 2001 (समय-समय पर यथा संशोधित) में उल्लेखित शारीरिक शिक्षा शिक्षकों के लिए न्यूनतम योग्यता मानदण्ड लागू होंगे। कला शिक्षा, शिल्प शिक्षा, गृह विज्ञान, कार्य शिक्षा इत्यादि के शिक्षकों के लिए राज्य सरकार द्वारा निर्धारित वर्तमान पात्रता मानदण्ड तब तक लागू रहेंगे जब तक एनसीटीई ऐसे शिक्षकों के संबंध में न्यूनतम योग्यता निर्धारित करती है।
- (e) ऐसे अभ्यर्थी जो शिक्षा में स्नातक डिग्री अथवा प्रारंभिक शिक्षा में डिप्लोमा के अंतिम वर्ष में शामिल हो रहे हैं को अंतिम रूप से प्रवेश दिया जाता है और उनका टीईटी प्रमाण-पत्र उक्त परीक्षाओं के उत्तीर्ण करने पर ही वैध होगा।
- (f) मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से उत्तीर्ण बी०सी०ए० के छात्र गणित/विषय ग्रुप के अन्तर्गत पात्रता परीक्षा देने के पात्र होंगे।
- (g) पूर्व के नियोजित शिक्षक जो प्रशिक्षित हों, पात्रता परीक्षा में सम्मिलित होना चाहते हों वे अपने नियोक्ता के माध्यम से आवेदन दे सकते हैं।
- (h) ऐसा अभ्यर्थी जिसके पात्र उपर्युक्त योग्यता नहीं होगी बिहार प्रारम्भिक शिक्षक (प्रशिक्षित) पात्रता परीक्षा-2016 में शामिल होने के लिए पत्र नहीं होगा।
- (i) इस परीक्षा हेतु शारीरिक शिक्षा एवं स्वास्थ्य अनुदेशक, संगीत एवं ललित कला निदेशक तथा कार्य अनुदेशक से संबंधित अर्हताधारी अभ्यर्थी इस परीक्षा हेतु आवेदन के पात्र नहीं होंगे।
- (j) उम्मीदवार आवेदन करने से पहले अपनी योग्यता से पूर्णतः संतुष्ट होना चाहिए और यदि वह दिए गए योग्यता मानदण्ड के अनुसार आवेदन के लिए योग्य नहीं है तो इसका व्यक्तिगत जिम्मेदार स्वयं होगा। इस ओर ध्यान दिया जाए कि यदि किसी उम्मीदवार को बिहार प्रारम्भिक शिक्षक (प्रशिक्षित) पात्रता परीक्षा-2016 में वैठने की

अनुमति दे दी गई है तो इसका यह अर्थ नहीं लिया जाए कि उम्मीदवार की पात्रता प्रमाणित हो गई है। उम्मीदवार को नियुक्ति के लिए कोई अधिकार नहीं मिलता है। पात्रता संबंधित भर्ती एजेंसी/नियोजक प्राधिकारी द्वारा अंतिम रूप से प्रमाणित की जाएगी।

- E. आयु सीमा: “विहार प्रारम्भिक शिक्षक (प्रशिक्षित) पात्रता परीक्षा-2016” में समिलित होने हेतु दिनांक - 01.08.2016 को प्रथम पत्र में न्यूनतम आयु सीमा 18 वर्ष एवं द्वितीय पत्र में न्यूनतम आयु 21 वर्ष होनी चाहिए। अधिकतम आयु सीमा निम्नवत् होगी :-

कोटि	उम्र	कोटि	उम्र
सामान्य पुरुष	35 वर्ष	अति पिछड़ा वर्ग/ पुरुष/ महिला	38 वर्ष
सामान्य महिला	38 वर्ष	अनुसूचित जाति/ पुरुष/ महिला	40 वर्ष
पिछड़ा वर्ग पुरुष/ महिला	38 वर्ष	अनुसूचित जनजाति/ पुरुष/ महिला	40 वर्ष

राज्य सरकार द्वारा निर्धारित कोटिवार अधिकतम आयु सीमा के अन्तर्गत ही नियोजन/रोजगार/भर्ती करने का प्रावधान है। अधिकतम आयु सीमा के उपरान्त यह पात्रता मापदण्ड (सरकारी विद्यालयों में नियोजन हेतु) स्वतः समाप्त हो जाएगा।

F. परीक्षा के विषय:-

इस परीक्षा में दो पत्र होंगे:-

- I प्रथम पत्र वर्ग I-V तक के शिक्षक बनने की पात्रता के लिए
- II द्वितीय पत्र वर्ग VI-VIII तक के शिक्षक बनने की पात्रता के लिए
- III प्रथम पत्र एवं द्वितीय पत्र – वैसे व्यक्ति जो वर्ग I-VIII तक के दोनों स्तर में शिक्षक बनने की पात्रता हासिल करना चाहते हों उन्हें दोनों पत्रों में उत्तीर्णता प्राप्त करनी होगी।

प्रथम पत्र के अन्तर्गत प्रश्न एवं अंक:-

i	बाल विकास एवं शिक्षा शास्त्र	-	30 प्रश्न	30 अंक
ii	भाषा-I हिन्दी	-	30 प्रश्न	30 अंक
iii	भाषा-II (हिन्दी/ उर्दू/ बंगला/ में से कोई एक)	-	30 प्रश्न	30 अंक
iv	गणित	-	30 प्रश्न	30 अंक
v	पर्यावरण अध्ययन	-	30 प्रश्न	30 अंक
कुल प्रश्नों/अंकों का योग		-	150 प्रश्न	150 अंक

द्वितीय पत्र के अन्तर्गत प्रश्न एवं अंक:-

i	बाल विकास एवं शिक्षा शास्त्र	-	30 प्रश्न	30 अंक
ii	भाषा-I	-	30 प्रश्न	30 अंक
iii	भाषा-II (हिन्दी/ उर्दू/ बंगला/ मैथिली/ भोजपुरी/ संस्कृत/ अरबी/ फारसी/ अंग्रेजी में से कोई एक)	-	30 प्रश्न	30 अंक
iv	गणित एवं विज्ञान अथवा समाज विज्ञान	-	60 प्रश्न	60 अंक
कुल प्रश्नों/अंकों का योग		-	150 प्रश्न	150 अंक

प्रथम पत्र के प्रश्न राज्य सरकार के द्वारा अनुमोदित कक्षा I-V तक के पाठ्यक्रम के आधार पर होंगे परन्तु प्रश्नों का कठिनाई स्तर एवं लगाव (Linkage) माध्यमिक स्तर का हो सकता है। इसी प्रकार द्वितीय पत्र के प्रश्न राज्य सरकार द्वारा अनुमोदित कक्षा VI-VIII तक के पाठ्यक्रम के आधार पर होंगे परन्तु प्रश्नों का कठिनाई स्तर एवं लगाव (Linkage) उच्चतर माध्यमिक स्तर का हो सकता है।

G. उत्तीर्णता मापदण्ड:-

परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिए कोटिवार उत्तीर्णता निम्नवत् है:-

क्र० सं०	वर्ग/ कोटि	उत्तीर्णक
1.	सामान्य	90 अंक

2.	पिछड़ा वर्ग/अति पिछड़ा वर्ग/महिला	83 अक्ष
3.	अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/निःशक्त	75 अक्ष
दोनों पत्र (पेपर) में सामिल होने वाले अभ्यर्थी को अलग-अलग हर पत्र/पेपर में निर्धारित उत्तीर्णक प्राप्त करना अनिवार्य है।		

H. पुनरीक्षण/पुनर्मूल्यांकन पात्रता परीक्षा में Answer Sheet के रूप में ओ०ए०आ०० का प्रयोग किया जाना है। ओ०ए०आ०० का परीक्षण कम्प्युटरीकृत तरीके से किए जाएंगे। यह एक Qualifying परीक्षा है इसमें पुनरीक्षण/पुनर्मूल्यांकन अनुमान्य नहीं है।

- बिहार विद्यालय परीक्षा समिति नियमावली-1964 के आलोक में परीक्षा के अभिलेख यथा : (ओ०ए०आ०० उत्तर पत्रक आदि) परीक्षा परिणाम के घोषणा के उपरान्त तीन महीने के अवधि तक ही सुरक्षित रखा जाएगा।
- ओ०ए०आ०० उत्तर पत्रक की छायाप्रति वेवसाइट पर प्रदर्शित की जायेगी। उम्मीदवार सर्व डाउन लोड कर प्राप्त कर सकते हैं। तथापि उम्मीदवार टीईटी का अपना ओ०ए०आ०० उत्तर पत्रक/उत्तर कुंजी की कोटी कॉपी प्राप्त करना चाहते हैं तो 500/- रुपये समिति कार्यालय में जमा कर प्राप्त कर सकते हैं।
- इस ओर ध्यान दिया जाए कि यदि किसी उम्मीदवार को बिहार प्रारम्भिक (प्रशिक्षित) शिक्षक पात्रता परीक्षा-2016 में बैठने की अनुमति दे दी गई है तो इसका यह अर्थ नहीं लिया जाए कि उम्मीदवार की पात्रता प्रमाणित हो गई है। इससे उम्मीदवार को नियुक्ति के लिए कोई अधिकार नहीं मिलता है। पात्रता संरीक्षित भर्ती एजेन्सी/नियोक्ता प्राधिकारी द्वारा अंतिम रूप से प्रमाणित की जाएगी। उम्मीदवार आवेदन करने से चलते अपनी योग्यता से पूर्णत संतुष्ट होना चाहिए और यदि वह दिए गए योग्यता मापदण्ड के अनुसार आवेदन के लिए योग्य नहीं है तो इसका व्यक्तिगत जिम्मेदार होगा।
- भ्रामक, गलत अथवा असत्य सूचना देने पर परीक्षा परिणाम रद्द कर दिया जाएगा, प्रमाण-पत्र जल्द कर लिया जाएगा और उपयुक्त मामलों में मुकदमा भी चलाया जा सकता है।
- पात्रता परीक्षा में उत्तीर्ण उम्मीदवार को अधिकतम 7 वर्षों तक पात्रता परीक्षा के आधार पर शिक्षक बनने के योग्य माना जाएगा।
- इस पात्रता परीक्षा में उत्तीर्ण उम्मीदवारों को एक प्रमाण-पत्र दिया जायेगा जिसमें उल्लेख होगा कि वे किस वर्ग से किस वर्ग तक के शिक्षक बनने की पात्रता रखते हैं। यह प्रमाण-पत्र यात्रिक रूप से दैवार किया जाएगा एवं इसमें सुरक्षा गानक (Security Features) होगा।

पाठ्यक्रम

पत्र-I

कक्षा I-V तक के पाठ्यक्रम

बाल विकास एवं शिक्षा शास्त्र

विषय-वस्तु -

- विकास की अवधारणा (Concept of Development) एवं अधिगम से उसका संबंध
- बाल विकास के सिद्धांत एवं अवरथाएँ (6-11 वर्ष)
- आनुवांशिकता एवं पर्यावरण का प्रभाव
- सामाजिकरण की प्रक्रिया
- पियाजे एवं वाइगास्की का निर्माणवाद एवं समीक्षात्मक परिप्रेक्ष्य
- बाल केन्द्रित एवं प्रगतिशील शिक्षा
- बहुआयामी बुद्धि (Multidimensional Intelligence)
- सृजनात्मकता
- भाषा एवं विचार (Language and Thought)
- वैयक्तिक विभिन्नता
- सतत व्यापक मूल्यांकन

विशेष आवश्यकता वाले बच्चों का शिक्षण:-

5 प्रश्न

- शारीरिक निःशक्त, अधिगम निःशक्त
- दृष्टि-बाधित, श्रवण-बाधित, वाचन-बाधित, प्रतिभाशाली बच्चे

अधिगम एवं शिक्षा शास्त्र:-

10 प्रश्न

- बच्चे कैसे सोचते और सीखते हैं?
- बच्चे विद्यालयी उपलब्धि में क्यों और कैसे असफल होते हैं?
- शिक्षण-अधिगम की मूल प्रक्रियाएँ
- सीखना एक सामाजिक गतिविधि है कैसे?
- बच्चा समस्या समाधान कर्ता एवं वैज्ञानिक अन्वेषक है।
- वैकल्पिक अधिगम की अवधारणा।
- संज्ञान और संवेग (Cognition and Emotion)
- अभिप्रेरण और सीखना (Motivation and Learning)

भाषा-I

30 प्रश्न

विषय-वस्तु

15 प्रश्न

- भाषायी समझ एवं निष्कर्ष-अपठित उद्धरण (Unseen Passage) – गद्यांश, पद्यांश, यात्रा-वृत्तांत, एकांकी पर आधारित प्रश्नों की समझ (गद्यांश साहित्यिक, वैज्ञानिक, विवरणात्मक या अप्रासंगिक पहलू से हो सकते हैं।)
- व्याकरण- शब्दार्थ, संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, लिंग, वचन, कारक, काल, विलोम, पर्यायवाची, मुहावरे, लोकोक्ति, शब्द-युग्म इत्यादि व्यवहारिक व्याकरण

शिक्षा शास्त्री आयाम

15 प्रश्न

- भाषा शिक्षण के सिद्धांत एवं विधियाँ
- भाषा कौशल
- भाषा की समझ और सुनना, बोलना, पढ़ना, लिखना, भाषा कौशलों की समझ एवं मूल्यांकन
- सम्प्रेषण कौशल का विकास
- व्यवहारिक व्याकरण की समझ
- भाषा शिक्षण में उत्पन्न कठिनाईयों/विसंगतियों का निराकरण
- शिक्षण-उपादान
- उपचारात्मक शिक्षण (Remedial Teaching)

30 प्रश्न

15 प्रश्न

भाषा - II

(क) भाषा की समझ

अपठित गद्यांश (Prose) के उद्धरण (Unseen Passage) पर आधारित प्रश्नों की समझ। अपठित गद्यांश (Prose), अप्रासांगिक, साहित्यक, विवरणात्मक या वैज्ञानिक (Discursive, Literary, Narrative or Scientific) हो सकते हैं। व्यवहारिक व्याकरण यथा शब्दार्थ, संज्ञा (Noun), सर्वनाम (Pronoun), विशेषण (Adjective), लिंग (Gender), वचन (Number), कारक (Case), काल (Tense), विलोम (Opposite), पर्यायवाची, मुहावरे (Phrase) और शब्द-युग्म आदि की समझ एवं शाब्दिक योग्यता (Verbal Ability)

15 प्रश्न

(ख) शिक्षा शास्त्रीय आयाम

- भाषा शिक्षण के सिद्धांत एवं विधियाँ
- भाषा कौशल (Language Skill)
- भाषा की समझ और सुनना, बोलना, पढ़ना, लिखना, भाषा कौशलों की समझ एवं मूल्यांकन
- सम्प्रेषण कौशल का विकास
- भाषा-अधिगम में व्याकरण की भूमिका-सम्प्रेषण, शाब्दिक योग्यता एवं लेखन कौशल के संदर्भ में
- विभिन्न परिस्थितियों में भाषा शिक्षण की चुनौतियाँ
- व्यवहारिक व्याकरण की समझ
- भाषा शिक्षण में उत्पन्न कठिनाईयों/विसंगतियों का निराकरण
- शिक्षण अधिगम सामग्री-पुस्तक, मल्टी मीडिया सामग्री, द्विभाषीय सामग्री
- उपचारात्मक शिक्षण

30 प्रश्न

15 प्रश्न

गणित

विषय-वस्तु

- ज्यामिति – आकृतियों एवं उनकी स्थानिक समझ
- संख्याएँ – संख्याएँ एवं संक्रियाएँ
- मुद्रा – मुद्रा से राशिधित रागस्याओं का हल
- माप – लम्बाई (Length), मात्रा (Mass), भार (Weight), आयतन (Volume) समय (Time)
- आँकड़ों का खेल
- मानसिक गणित (Mental Math)
- ढाँचा (Pattern)

शिक्षा शास्त्रीय मुद्दे –

15 प्रश्न

- गणित की प्रकृति एवं स्वरूप
- गणित शिक्षण का महत्व
- गणित शिक्षण की विधियाँ
- गणित की भाषा
- पाठ्यचर्या में गणित का स्थान
- गणित शिक्षण की समस्याएँ
- निदानात्मक एवं उपचारात्मक शिक्षण तथा मूल्यांकन
- त्रुटियों का विश्लेषण
- शिक्षण- अधिगम से राशिधित आयाम

30 प्रश्न

15 प्रश्न

पर्यावरण अध्ययन

विषय-वस्तु

- परिवार और मित्र (Family and Friends)– रिश्ते-नाते, जन्म, पौधे, कार्य और खेल
- भोजन (Food)– पौधे और जन्मआँ से प्राप्त भोजन, पशु आहार, भोजन पकाना, परिवार में भोजन करना, जन्मआँ के आहार
- आवास (Shelter)– आवास और उसके प्रकार, पास-पड़ोस और इसका मानचित्रण, गृह-सज्जा और सफाई,
- अपना परिवार और घरेलू जीव-जन्म
- जल (Water)– जल के श्रोत, परिवार के लिए जल, जल भंडारण, हमारा जीवन और जल, जल का अभाव, जल का बहाव, पौधे एवं जन्म के लिए जल की आवश्यकता
- यात्रा– गंतव्य स्थान (स्थान, जल, अंतरिक्ष), यात्रा के साधन, सांकेतिक-सम्प्रेषण, पत्र-सम्प्रेषण
- वस्तुओं का स्वनिर्माण और व्यवहार– मिट्टी से बनने वाली वास्तुएँ
- वस्त्र

15 प्रश्न

शिक्षा शास्त्रीय मुद्दे-

- पर्यावरण अध्ययन का स्वरूप
- पर्यावरण अध्ययन का महत्व
- पर्यावरण के बारे में शिक्षा
- पर्यावरण के माध्यम से शिक्षा
- पर्यावरण के सम्बद्धन-संरक्षण के लिए शिक्षा
- पर्यावरण से विज्ञान और समाज विज्ञान का संबंध
- सीखने के तरीके
- गतिविधियाँ/व्यवहारिक कार्य
- सत्‌त व्यापक मूल्यांकन
- शिक्षण- उपादान
- समस्याएँ

पत्र - II
कक्षा VI-VIII तक के पाठ्यक्रम

बाल विकास एवं शिक्षा शास्त्र

30 प्रश्न

विषय-वस्तु

(क) बाल विकास

15 प्रश्न

- विकास की अवधारणा एवं अधिगम से उसका संबंध
- बालविकास के सिद्धांत एवं उत्थाएँ (12-16 वर्ष)
- आनुवंशिकता एवं पर्यावरण के प्रभाव
- सामाजिकरण की प्रक्रिया
- पिंडाजे एवं बाइगास्टी का निर्णयाद एवं समीक्षात्मक परिप्रेक्ष्य
- बाल केन्द्रित एवं प्रणतिशील शिक्षा
- बहुआयामी बुद्धि (Multidimensional Intelligence)
- सृजनात्मकता (Creativity)
- भाषा एवं विचार (Language and Thought)
- वैयक्तिक विभिन्नता (Individual Differences)
- सतत व्यापक मूल्यांकन (Continuous and Comprehensive Evaluation)

(ख) विशेष आवश्यकता वाले बच्चों का शिक्षण -

5 प्रश्न

- शारीरिक निःशक्ति, अधिगम निःशक्ति
- दृष्टि-बाधित, श्रवण-द्वारा त्रितीयभाषाली बच्चे।

(ग) अधिगम एवं शिक्षा शास्त्र -

10 प्रश्न

- बच्चे कैसे सोचते और साझते हैं?
- बच्चे विद्यालयी उपलब्धि में कैसे और कैसे असफल होते हैं?
- शिक्षण-अधिगम की मूल प्रतिक्रियाएँ
- सीखना एक सामाजिक अतिरिक्ति है कैसे?
- बच्चा समस्या सनाधन कर्ता व वैज्ञानिक अन्वेषक है।
- वैकल्पिक अधिगम की उपायाएँ।
- संज्ञान और संतोष (Cognition and Emotion)
- अभिप्रेरण और सीखना (Motivation and Learning)

भाषा - I

30 प्रश्न

(क) भाषा की समझ

15 प्रश्न

- भाषायी समझ एवं निष्कर्ष - अपठित उद्धरण (Unseen Passage) - गद्यांश, पद्यांश यात्रा-वृत्तांत, एकांकी पर आधारित प्रश्नों की समझ (गद्यांश, साहित्यिक, वैज्ञानिक, विवरणात्मक या अप्रासंगिक पहलू से ही सकते हैं।)
- व्याकरण - शब्दार्थ, संज्ञा, संज्ञानाम, विशेषण, लिंग, वचन, कारक, काल, विलोम, पर्यायवाची, मुहावरे, लोकोक्ति, शब्द-युग्म इत्यादि व्यवहारिय व्याकरण।

(ख) शिक्षा शास्त्रीय आयाम

15 प्रश्न

- भाषा शिक्षण के सिद्धांत एवं विधियाँ
- भाषा कौशल
- भाषा की समझ और सुनना, बोलना, पढ़ना, लिखना, भाषा कौशलों की समझ एवं मूल्यांकन
- सम्प्रेषण कौशल का विकास
- व्यवहारिक व्याकरण की समझ
- भाषा शिक्षण में उत्पन्न फटि ईयों/विसंगतियों का निराकरण
- शिक्षण-उपादान
- उपचारात्मक शिक्षण

30 प्रश्न

15 प्रश्न

भाषा - II

(क) भाषा की समझ

अपठित गद्यांश (Prose) के उद्धरण (Unseen Passage) पर आधारित प्रश्नों की समझ। अपठित गद्यांश (Prose) अप्रासांगिक, साहित्यिक, विवरणात्मक या वैज्ञानिक (Discursive, Literary, Narrative or Scientific) हो सकते हैं। व्यवहारिक व्याकरण यथा शब्दार्थ, संज्ञा (Noun), सर्वनाम (Pronoun), विशेषण (Adjective), लिंग (Gender), वचन (Number), कारक (Case), काल (Tense), विलोम (Opposite), पर्यायवाची, मुहावरे (Phrase) और शब्द-युग्म आदि की समझ एवं शाब्दिक योग्यता (Verbal ability)

15 प्रश्न

(ख) शिक्षा शास्त्रीय आयाम

- भाषा शिक्षण के सिद्धांत एवं विधियाँ
- भाषा कौशल (Language Skill)
- भाषा की समझ औंश सुनना, बोलना, पढ़ना, लिखना, भाषा कौशलों की समझ एवं मूल्यांकन
- सम्प्रेषण कौशल का विकास
- भाषा- अधिगम में व्याकरण की भूमिका-सम्प्रेषण, शाब्दिक योग्यता एवं लेखन कौशल के संदर्भ में।
- विभिन्न परिस्थितियों में भाषा शिक्षण की चुनौतियाँ
- व्यवहारिक व्याकरण की समझ
- भाषा शिक्षण में उत्पन्न कठिनाईयों / विसंगतियों का निराकरण
- शिक्षण अधिगम सामग्री – पुस्तक, मल्टी मीडिया सामग्री, द्विभाषीय सामग्री
- उपचारात्मक शिक्षण (Remedial Teaching)

गणित और विज्ञान

60 प्रश्न

- गणित

30 प्रश्न

(क) विषय-वस्तु

20 प्रश्न

संख्या पद्धति – (Number System)

- संख्या की समझ (Concept of Number)
- पूर्णांक (Whole Number)
- परिमेय संख्या (Rational Number)
- घटांक (Indices)
- ऋणात्मक संख्या (Negative Number)
- भिन्न (Fractions)
- वर्ग, वर्गमूल, घन, घनमूल (Square, Square root, Cube, Cube root)
- संख्याओं का खेल
- द्विधारी संख्याएँ (Binary Number)

बीजगणित (Algebraa)

- बीजीय व्यंजक
- बीजगणितीय व्यंजक

अंक गणित (Arithmatic)

- अनुपात – समानुपात (Ratio and Proportion)
- ऐकिक नियम (Unitary Method)
- शब्द समस्याएँ (Word problems)
- प्रतिशत (Percentage)
- लाभ, हानि (Profit and Loss)
- साधारण ब्याज (Simple Interest)
- समय एवं दूरी (Time & Distance)
- समय एवं काम (Time & work) से संबंधित व्यवहारिक गणित

ज्यामिति (Geometry)

- ज्यामितीय आकृतियों की समझ (Concept of geometrical shape and size)
- द्विमीय (2-D)
- त्रिमीय (3-D)
- सममिति (Symmetry)

क्षेत्रमिति (Mensuration)

- परिमिति एवं क्षेत्रफल की अवधारणा (Concept of Perimeter and Area)
- आँकड़ों का प्रयोग
- आँकड़ों का संग्रह एवं उन्हें व्यवस्थित करना

(ख) शिक्षा शास्त्रीय मुद्दे

10 प्रश्न

- गणित की प्रकृति
- पाठ्यक्रम में गणित का स्थान
- गणित शिक्षण की विधियाँ
- गणित की भाषा (Language of Mathematics)
- सामुदायिक गणित (Community Mathematics)
- मूल्यांकन (Evaluation)
- उपचारात्मक शिक्षण
- गणित शिक्षण की समस्याएँ

30 प्रश्न

20 प्रश्न

विज्ञान

(क) विषय-वस्तु
भोजन

भोजन के स्रोत, भोजन के अवयव, स्वारथ्य और स्वच्छता, फसलों से अन्न की प्राप्ति, पौधों में पोषण, भोजन का उपयोग

पदार्थ/वस्तुएँ
सजीव का संसार

दैनिक उपयोग की सामग्री, विभिन्न प्रकार के पदार्थ, गर्मी देने वाली वस्तुएँ आस-पास की वस्तुएँ, सजीवों का वास स्थान, पौधों की संरचना और कार्य, जन्तुओं की संरचना और कार्य, सजीवों पर परिवेश का प्रभाव, जीवों में श्वसन, जैव विविधताओं का संरक्षण, कोशिका, जीवन की निरंतरता लोग एवं विचार, बल, घर्षण, ध्वनि

गतिमान वस्तुएँ
वस्तुएँ कैसे कार्य
करती हैं।

चुम्बक, विद्युत उपकरण, विद्युत धारा, विद्युत परिपथ

प्राकृतिक परिपटनाएँ
प्राकृतिक रासायन

वर्षा, बादल, गर्जन, तड़ित, प्रकाश, भूकम्प
जल औंश वायु का महत्व, कचड़ा-प्रबन्धन, वन-उत्पाद, वायु-प्रदूषण,
जल-प्रदूषण

(ख) शिक्षा शास्त्रीय मुद्दे -

10 प्रश्न

- विज्ञान की प्रकृति और संरचना
- विज्ञान शिक्षण के उद्देश्य
- विज्ञान की समझ
- विज्ञान शिक्षण की विधियाँ -

अवलोकन (Observation)

प्रयोग (Experiment)

खोज (Discovery)

- नयावार (Innovation)
- शिक्षण-अधिगम-सामग्री
- शिक्षण की समर्याएँ
- उपचारात्मक शिक्षण

समाज विज्ञान का पाठ्यक्रम

विषय-वस्तु

इतिहास

- हमारा अतीत – (700AD-1200AD)
- क्या, कब, कहाँ और कैसे –

अध्ययन काल का निर्धारण
 इतिहास लेखन के स्रोत
 मध्यकालीन भारत
 प्रारंभिक समाज
 कृषक, पशुपालक, नगरीकरण, जीवन के विभिन्न आयाम
 प्रारंभिक राज्य, प्रथम साम्राज्य (सम्राट अशोक, मौर्य प्रशासन)

- तुर्क अफगान शासक
- मुगल साम्राज्य एवं अफगान
- शहर, व्यापार और कारीगर
- सामाजिक संस्कृति का विकास
- अठारहवीं शताब्दी में नई राजनीतिक संरचनाएँ
- हमारे इतिहासकार

प्रो० सैयद हसन असकरी
 सर यदुनाथ सरकार,
 प्रो० काली किंकर दत्त

- भारत में कम्पनी शासन की स्थापना
- उप निवेशवाद
- जन जातिय समाज
- 1857 का विद्रोह
- ब्रिटिश शासन एवं शिक्षा
- महिलाओं की स्थिति एवं सुधार
- राष्ट्रीय आन्दोलन 1885 से 1947 तक
- स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद का भारत

भूगोल :

- सौरमंडल
- वायुमंडल
- जलमंडल
- पृथ्वी और उसकी गतियाँ, ग्लोब और मानचित्र
- पृथ्वी की आंतरिक संरचना
- पर्यावरण – भौतिक पर्यावरण, मानव पर्यावरण – अंतः क्रिया
- विभिन्न – ऋतुएँ
- प्राकृतिक संसाधन – भूमि, मिट्टी, खनिज, वनस्पति, जल, वन्य जीव
- मानव संसाधन
- कृषि
- उद्योग – लौह-इस्पात उद्योग
 वस्त्र-उद्योग
 सूचना प्रौद्योगिकी
- हमारी राज्य बिहार

सामाजिक एवं राजनीतिक जीवन

- विविधता की समझ
- जीवन यापन एवं रहस्य
- संविधान
- राज्य सरकार एवं कानून
- स्थानीय सरकार
- लोकतंत्र में समाजता
- संसदीय सरकार
- न्यायिक व्यवस्था
- लैंगिक पूर्वाग्रह
- भीड़िया एवं वित्तापन
- हमारे आस पास के बाजार
- आर्थिक उत्थान में सरकार के प्रयास

अर्थशास्त्र

- जीविका के सम्बन्ध
- व्यवसायिक त्रिघाता
- मुद्रा एवं विनियम
- जनसंख्या वृद्धि – विहार के संदर्भ में
- सार्वजनिक पित्तरण प्रणाली
- खाद्यान एवं व्यवसायिक फसलें
- सहकारिता
- बाजार
- आर्थिक एवं सामाजिक मूल्य

(ख) शिक्षा शास्त्रीय मुद्रे

20 प्रश्न

- समाज विज्ञान की प्रकृति और अवधारणा
- कक्षा-कक्ष में चलने वाली प्रक्रियाएँ
- तार्किक चिन्तन का विकास
- शिक्षण पिधि
- प्रोजेक्ट वर्क
- समाज विज्ञान शिक्षण की समस्याएँ
- मूल्यांकन

ऑनलाइन आवेदन करने के लिए अनुदेश

बिहार प्रारम्भिक शिक्षक (प्रशिक्षित) पात्रता परीक्षा-2017 में भाग लेने वाले आवेदक ऑन लाइन आवेदन फार्म भरते समय निम्नलिखित निर्देशों का अक्षरशः पालन करें:-

1. सूचना बुलेटिन को अच्छी तरह से पढ़ कर दिये गये निर्देशों को अच्छी तरह समझ लें।
2. संतुष्ट हो लें कि इस परीक्षा में भाग लेने की पात्रता आप धारित करते हैं।
3. आवेदन फार्म आवेदक द्वारा यथा स्थान स्वयं केवल अंग्रेजी के बड़े-बड़े अक्षरों (CAPITAL LETTERS) में निर्धारित बॉक्स में भरे जाने हैं।
4. अधूरा आवेदन फार्म रहने की स्थिति में आवेदन पत्र रद्द कर दिया जाएगा जिसकी पूर्ण जिम्मेवारी आवेदक की होगी। ऐसे आवेदन पत्रों के संदर्भ में न पत्राचार किया जाएगा और न शुल्क ही वापस होगा। अतः आवेदन पत्र भरते समय पूर्ण सावधानी बरतें।
5. यदि कोई आवेदक एक से अधिक आवेदन फार्म देते हैं तो इस परीक्षा में शामिल होने की उनकी पात्रता स्वतः रद्द कर दिया जाएगा तथा भविष्य की परीक्षा में भी शामिल होने के लिये उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया जाएगा। इस संबंध में उनसे कोई पत्राचार भी नहीं किया जाएगा।
6. बिहार प्रारम्भिक (प्रशिक्षित) शिक्षक पात्रता परीक्षा- 2017 के लिए आवेदन में फोटोग्राफ और हस्ताक्षर अपलोड करने की सुविधा के साथ पूरी तरह से ऑनलाइन कर दिया है। सभी विवरण ऑनलाइन भरे जाएंगे और आवेदन पत्र भरते समय फोटोग्राफ और हस्ताक्षर (केवल जेपीजी प्रारूप में) का स्कैन अपलोड किया जाएगा। उम्मीदवार सुविधानुसार आवेदन करने से पहले उम्मीदवारों की तस्वीर (जेपीजी प्रारूप) और हस्ताक्षर स्कैन करके रखने की सलाह दी जाती है।
7. किसी भी वेबसाइट से www.bsebonline.net पर जाकर पूरा ब्योरा देकर ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत करेंगे।
8. आवेदन करते समय पोस्टल पिन कोड सहित पूरा डाक का पता लिखें।
9. आवेदन फार्म प्रस्तुत करने से पहले शुल्क का भुगतान करने की विधि का निर्णय करें।
10. आवेदन पत्र निम्नानुसार भरना चाहिए :
 (a) आवेदन पत्र का क्र. सं. 1, 2, 3 और 4 :- उम्मीदवार को अपना नाम, माता का नाम, पिता का नाम, आयु माध्यमिक शिक्षा बोर्ड कक्षा 10 (मैट्रिक/माध्यमिक) के अनुसार बड़े अक्षरों में लिखना चाहिए। नीचे दर्शाए अनुसार एक बॉक्स में केवल एक अक्षर भरना चाहिए। नाम के प्रत्येक भाग के बीच एक बॉक्स खाली छोड़ना चाहिए। आवेदन पत्र भरने से पहले, एक सादे कागज पर लिखें और वर्तनी की शुद्धता की जांच करें।
 उम्मीदवार का नाम : **JAY PRAKASH**

J	A	Y	P	R	A	K	A	S	H	
---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	--

माता का नाम : **LAXMI DEVI**

L	A	X	M	I	D	E	V	I		
---	---	---	---	---	---	---	---	---	--	--

पिता का नाम : **RAVI PANDEY**

R	A	V	I	P	A	N	D	E	Y	
---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	--

जन्म तिथि : 06- 04- 1990 (अंग्रेजी कैलेण्डर के अनुसार)

0	6	0	4	1	9	9	0
---	---	---	---	---	---	---	---

(b) आवेदन पत्र का क्र. सं. 5 : जिला का कोड चयन हेतु सूची।

जिला कोड	जिला का नाम	जिला कोड	जिला का नाम	जिला कोड	जिला का नाम
1	आरिय	15	कैमुर	29	सहरसा
2	आजमल	16	कटिहार	30	समस्तीपुर
3	झारखण्ड	17	खगड़िया	31	सारण
4	गंगा	18	किशनगंज	32	शेखपुरा
5	दमरासा	19	लखीसराय	33	शिवहर
6	भा॒तपुर	20	मधेपुरा	34	सीतामढी
7	भौजपुर	21	मधुबनी	35	सिवान
8	बातर	22	मुंगेर	36	सुपौल
9	दरभंगा	23	मुजफ्फरपुर	37	वैशाली
10	पूर्ण वा॒तारण	24	नालन्दा	38	पश्चिमी चम्पारण
11	गढ़ा	25	नवादा	98	झारखण्ड
12	गोप्ता॒ला॒ज	26	पटना	99	अन्य सभी स्थान
13	सैद्ध	27	पूर्णिया		
14	लाहौगढ़ी	28	रोहतास		

नोट : बिहार के कर एवं झारखण्ड राज्य के उम्मीदवारों का परीक्षा केन्द्र पटना जिलान्तर्गत ही परीक्षा केन्द्र पर परीक्षा आयोजित की जाएगी।

- (c) आवेदन पत्र का क्र.सं. 6: बिहार प्रारम्भिक शिक्षक (प्रशिक्षित) पात्रता परीक्षा – 2014 के लिए प्रस्तावित भाषाएँ:
- प्रथमा स V के लिए निम्नलिखित में से दो अलग–अलग भाषा का चयन कर भाषा । एवं ॥ के नीचे अंकित कोड संख्या को चौकोर प्रकोष्ठ में लिखें।

भाषा कोड	हिन्दी	उर्दू	बंगला	मैथिली	अंग्रेजी
1	2	3	4	5	

- प्रथमा VI वा VII के लिए निम्नलिखित 9 भाषाओं में से दो अलग–अलग भाषा का चयन करें एवं भाषा । एवं भाषा ॥ के नीचे अंकित कोड संख्या को चौकोर प्रकोष्ठ में लिखें।

भाषा कोड	हिन्दी	उर्दू	बंगला	मैथिली	अंग्रेजी	संस्कृत	अरबी	फारसी	भोजपुरी
1	2	3	4	5	6	7	8	9	

भाषा के अतिरिक्त एवं विज्ञान अथवा समाजिक विज्ञान के चयन के लिए क्रमशः गणित और विज्ञान के लिए 01 तथा समाजिक विज्ञान के लिए 02 दर्शाएँ।

नोट : भाषा - I एवं भाषा- II के लिए अलग–अलग भाषा चयन करना है। भाषा - I एवं भाषा- II के लिए समान भाषा का चयन करनेवाले उम्मीदवार परीक्षा के पात्र नहीं होंगे और आवेदन को किसी पत्राचार किए रख कर दिया जाना तथा शुल्क दी राशि जब्त कर ली जाएगी।

- (d) आवेदन पत्र का क्र.सं. 7 : यदि विशिष्ट रूप से सक्षम हो— चलने में अशक्त (आर्थो) के लिए 1, श्रवण तथा वाक अशक्तता के लिए 2 और दृश्य अशक्तता (दृष्टिहीन) के लिए 3 दर्शाएँ।

शक्ति - 01 श्रवण - 02 दृष्टिहीन - 03

- (e) आवेदन पत्र का सं. 8 : लिंग (Sex) पुरुष के लिए 1 और महिला के लिए 2 दर्शाएँ।

पुरुष - 01 महिला - 02

(f) आवेदन पत्र का क्र.सं. 11 : श्रेणी सामान्य के लिए 1, अनुसुचित जाति के लिए 2, अनुसुचित जनजाति के लिए 3, अत्यन्त पिछड़ा वर्ग के लिए 4 और पिछड़ा वर्ग के लिए 5 दर्शाएँ।

सामान्य	- 01	अनुसुचित जाति	- 02	अनुसुचित जनजाति	- 03
अत्यन्त पिछड़ा वर्ग	- 04	पिछड़ा वर्ग	- 05		

(g) आवेदन पत्र का क्र.सं. 12 : पेपर का चयन

- यदि आप कक्षा I से V के लिए शिक्षक बनने के लिए आवेदन करना चाहते हैं तो 1 दर्शाएँ।
- यदि आप कक्षा VI से VIII के लिए शिक्षक बनने के लिए आवेदन करना चाहते हैं तो 2 दर्शाएँ।
- यदि आप दोनों कक्षाओं अधिता कक्षा I से V और कक्षा VI से VIII के लिए शिक्षक बनने के लिए आवेदन करना चाहते हैं तो 3 दर्शाएँ।

(h) आवेदन पत्र का क्र.सं. 13 : पूर्व में वीईटीईटी-2011 एवं उर्दू/बंगला विशेष शिक्षक पात्रता परीक्षा-2013 में समिलित हुए हो तो उसका परीक्षा रैल नम्बर का उल्लेख करें।

(i) आवेदन पत्र का क्र.सं. 14 : कक्षा I से V और VI से VIII को पढ़ाने हेतु न्यूनतम शैक्षिक योग्यताएँ : कक्षा I से V और VI से VIII के लिए शिक्षक बनने के लिए उमीदवार के पास निम्नलिखित न्यूनतम शैक्षिक योग्यताएँ होनी चाहिए।

पेपर- I कक्षा I से V के लिए शिक्षक बनने हेतु न्यूनतम शैक्षिक योग्यताएँ :-

यदि आप कक्षा I से V के लिए शिक्षक बनने के लिए आवेदन करना चाहते हैं तो निम्नांकित कोड (जो आप पर लागू होता है) का प्रयोग करें।

शैक्षिक योग्यता	कोड
इन्टर/+2/मौलवी (अथवा इसके समकक्ष) में न्यूनतम 50 प्रतिशत अंकों के साथ और प्रारंभिक शिक्षा में दो वर्षीय डिप्लोमा (चाहे किसी भी नाम से जाना जाए) के अन्तिम वर्ष में शामिल होने वाले अथवा उत्तीर्ण।	1
इन्टर/+2/मौलवी (अथवा इसके समकक्ष) में न्यूनतम 45 प्रतिशत अंकों के साथ और एनसीटीई (मान्यता, मानदंड एवं प्रक्रिया), रेगुलेशन 2002 के अनुसार प्रारंभिक शिक्षा में दो वर्षीय डिप्लोमा (चाहे किसी भी नाम से जाना जाए) के अन्तिम वर्ष में शामिल होने वाले अथवा उत्तीर्ण।	2
इन्टर/+2/मौलवी (अथवा इसके समकक्ष) में न्यूनतम 50 प्रतिशत अंकों के साथ और 4-वर्षीय प्रारंभिक शिक्षा स्नातक (B.Ed) के अंतिम वर्ष में शामिल होने वाले अथवा उत्तीर्ण।	3
इन्टर/+2/मौलवी (अथवा इसके समकक्ष) में न्यूनतम 50 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण और शिक्षा में 2-वर्षीय डिप्लोमा ('विशेष शिक्षा') के अंतिम वर्ष में शामिल होने वाले अथवा उत्तीर्ण।	4
वी.ए./वी.एस.सी./वी.कॉम/आलिम/शास्त्री और प्रारंभिक शिक्षा में दो वर्षीय डिप्लोमा (चाहे किसी भी नाम से जाना जाए) के अन्तिम वर्ष में शामिल होने वाले या उत्तीर्ण।	5

पेपर- II कक्षा VI से VIII के लिए शिक्षक बनने हेतु न्यूनतम शैक्षिक योग्यताएँ

यदि आप कक्षा VI से VIII के लिए शिक्षक बनने के लिए आवेदन करना चाहते हैं तो निम्नांकित कोड (जो आप पर लागू होता है) का प्रयोग करें।

शैक्षिक योग्यताएँ	कोड
वी.ए./वी.एस.सी./वी.कॉम/आलिम/शास्त्री और प्रारंभिक शिक्षा में दो वर्षीय डिप्लोमा (चाहे किसी भी नाम से जाना जाए) के अन्तिम वर्ष में शामिल होने वाले अथवा उत्तीर्ण।	1
वी.ए./वी.एस.सी./वी.कॉम/आलिम/शास्त्री में कम से कम 50 प्रतिशत अंकों के साथ और एक वर्षीय शिक्षा में स्नातक (वीएड) में शामिल होने वाले अथवा उत्तीर्ण।	2
वी.ए./वी.एस.सी./वी.कॉम/आलिम/शास्त्री में कम से कम 45 प्रतिशत अंकों के साथ और इस संबंध में समय-समय पर जारी एनसीटीई (मान्यता मानदंड और प्रक्रिया) रेगुलेशन्स के अनुसार एक वर्षीय शिक्षा में स्नातक (वीएड) में शामिल होने वाले अथवा उत्तीर्ण।	3
इन्टर/+2/मौलवी (अथवा इसके समकक्ष) में कम से कम 50 प्रतिशत अंकों के साथ और चार वर्षीय प्रारंभिक शिक्षा में स्नातक (B.Ed) के अन्तिम वर्ष में शामिल होने वाले अथवा उत्तीर्ण।	4

शैक्षिक योग्यताएं

इन्टर/+2/म.लबा (अथवा इसके समकक्ष) में कम से कम 50 प्रतिशत अंकों के साथ और चार वर्षों 5
बीए/बीएसएसएड अथवा बीएन/बीएससीएड के अन्तिम वर्ष में शामिल होने वाले अथवा उत्तीर्ण।
बी.ए./बी.एस.टी., बी.कॉम/आर्लिन/शास्त्री में कम से कम 50 प्रतिशत अंकों के साथ और एक वर्षों 6
बीएड (विशेष शिक्षा) में शामिल होने वाले अथवा उत्तीर्ण।

- i. केवल भारतीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) द्वारा मान्यता प्राप्त शिक्षक शिक्षा नें डिप्लोमा/डिग्री कोर्स पर विचार किया जाएगा। तथापि, शिक्षा में डिप्लोमा (विशेष शिक्षा) और बी.एड. (विशेष शिक्षा) के मानते में केवल भारतीय पुनर्वास परिषद (आरसीआई) द्वारा मान्यता प्राप्त कोर्स पर ही विचार किया जाएगा।
- ii. (क) अनुसुचित जाति/अनुसुचित जनजाति/विशेष रूप से विकलांग/महिला जैसी आरक्षित श्रेणियों के उम्मीदवारों के पात्रता के लिए न्यूनतम शैक्षिक योग्यता में अहंक अंकों में 5 प्रतिशत की छूट दी जाएगी।
(ख) उपर्युक्त योग्यताएं न रखने वाले उम्मीदवार शिक्षक पात्रता परीक्षा में शामिल होने के पात्र नहीं होंगे। उम्मीदवार आवेदन करने से पहले अपनी योग्यता से पूर्णत संतुष्ट होना चाहिए और यदि वह दिसंग्रह योग्यता ग्राहक के अनुसार आवेदन के लिए योग्य नहीं है तो इसका जिम्मेदार स्वयं होगा।
- (j) आवेदन पत्र का क्र.सं. 15 : एसटीडी कोड और टेलीफोन नम्बर या सोबाइल नम्बर एवं ई-मेल का उल्लेख करें।
- (k) पुष्टि पृष्ठ का क्र.सं. 16: उम्मीदवार अपना आवासीय पता का उल्लेख पिन कोड सहित बड़े अक्षरों में लिखें।
